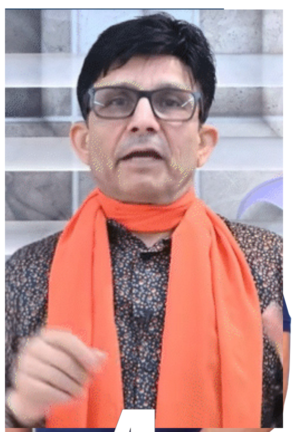

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

फायरिंग केस में एक्टर कमाल खान गिरफ्तार

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 272 ■ रविवार 25 जनवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर में जल्द होंगे महापौर चुनाव

क्या भाजपा का उपमहापौर बनेगा?

31 जनवरी हो सकते हैं महापौर-उपमहापौर चुनाव

- शिवसेना ने कोंकण भवन में पंजीकृत किया बहुमत
- शिवसेना में महापौर पद को लेकर रस्साकशी जारी
- उपमहापौर पद पर वरिष्ठ शिवसैनिकों की नजर

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका में जल्द ही महापौर व उपमहापौर के चुनाव हो सकते हैं। वसई विरार मनपा में महापौर-उपमहापौर चुनाव की संभावित तारीख आ गई है। आगामी 31 जनवरी को महापौर-उपमहापौर चुनाव होने जा रहे हैं जिसके लिए 27 व 28 जनवरी को नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। ऐसे में यह संकेत है कि उल्हासनगर मनपा में भी उसी दिन या जल्द ही महापौर-उपमहापौर के चुनाव होंगे। मनपा में सत्ता स्थापित करने के लिए शिवसेना ने पहले से ही अपना बहुमत का गट कोंकण भवन में पंजीकृत कर लिया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व सांसद श्रीकांत शिंदे द्वारा

उल्हासनगर मनपा में महायुति सत्ता में सहभागी होगी यह कहकर बताया है कि भाजपा भी सत्ता में साथ में होगी। ऐसे में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा को उपमहापौर पद दिया जा सकता है। अगर शिवसेना भाजपा के बिना सत्ता में आती है तो उपमहापौर के लिए वरिष्ठ नेता दावेदार बने बैठे हैं क्योंकि महापौर का आरक्षण ओबीसी के लिए तय है। ओबीसी महापौर पद के उम्मीदवार नरेंद्र कुमारी ठाकुर, अश्विनी निकम, राजश्री चौधरी प्रमुख दावेदार रेस में चल रहे हैं।

ज्ञात हो कि उल्हासनगर महानगरपालिका का कार्यकाल 4 अप्रैल 2022 को समाप्त हो गया है। तबसे अब तक मनपा में प्रशासकीय राज है। इस प्रशासकीय राज में कई आयुक्तों ने कार्यभार संभाला बावजूद शहर विकास कार्य ठप्प ही पड़ा रहा। अब शिवसेना के हाथ में सत्ता आने के बाद शहर में क्या विकास कार्य को गति मिलेगी यह उन मतदाताओं के अंदर सवाल उठ खड़ा हुआ है जिन्होंने शिवसेना व भाजपा दोनों को ही बराबरी के वोट दिए हैं। मतदाताओं में यह भी सवाल है कि शिवसेना-भाजपा की सत्ता को लेकर चल रही लड़ाई कहीं भविष्य में भी शहर विकास में रुकावट ना डालें, क्योंकि शहर पहले से भी पिछड़ते जा रहा है। युवा नगरसेवक व नए चुने हुए नगरसेवकों में भी यह डर है कि अगर इस बार कार्य नहीं किया तो जनता कभी भी उन्हें वोट नहीं देगी।

पैनल 17 में होंगे उपचुनाव- गंगोत्री

- चुनावी नतीजे EVM में छेड़छाड़ का नतीजा
- भाजपा के विजयी उम्मीदवारों पर कानूनी शिकंजा

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका के पैनल 17 में नामांकन पत्र के दौरान भाजपा की उम्मीदवार नैनी उदासी के ओबीसी प्रमाण पत्र पर राकांपा उम्मीदवार भारत राजवानी गंगोत्री ने एतराज उठाया था इसके साथ ही भाजपा उम्मीदवार अमर लुंड के भी नामांकन पत्र में हुई गलतियों पर ऐतराज उठाया गया था लेकिन मौजूद चुनाव अधिकारी ने उस एतराज को अनदेखा कर दोनों के नामांकन पत्रों को वैध बताकर उन्हें चुनाव लड़ने की अनुमति दी थी। इसी एतराज को चैलेंज करके राकांपा उम्मीदवार भारत गंगोत्री ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है और कहा है कि चुनाव नामांकन पत्र प्रक्रिया में जो गलती हुई है उसे सुधारने के लिए हमने कानून का सहारा लिया है और हमें न्याय मिलेगा और पैनल 17 में उपचुनाव होकर रहेंगे।

वहीं पैनल 17 में राकांपा उम्मीदवार भारत राजवानी गंगोत्री की हार पर उन्होंने कहा कि शहर में जो भी परिणाम आए हैं वो माहौल और जमीनी सच्चाई के बिलकुल ही विपरीत आए हैं। सोशल मीडिया और समाचारों में भी इसका जिक्र हुआ है। उससे यह जाहिर हुआ है कि चुनावी नतीजे EVM में छेड़छाड़ का नतीजा है। लेकिन यह चुनाव प्रक्रिया विचाराधीन है जो भविष्य में जरूर सामने आएगी।

अंबरनाथ में पानी की समस्या

- नगराध्यक्ष ने ली बैठक
- मजीप्रा अधिकारी, मिलिंद पाटिल, विश्वजीत रहे उपस्थित

अंबरनाथ. अंबरनाथ में पानी की समस्या है कि प्रतिदिन बढ़ते ही जा रही है. नगर परिषद के चुनाव के बाद एवं नगरसेवकों के चुने जाने के बाद तो जलापूर्ति ही समस्या और भी गंभीर हो गई है. शहर पश्चिम में लोगों को दो-दो दिन पानी नहीं मिल रहा है. इस गंभीर विषय को देखते हुए नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले पाटिल ने महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के अधिकारियों को अपने केबिन में तलब करके उनसे पूछा कि शहर में पानी की समस्या क्यों बढ़ रही है और ये समस्या कब दूर होगी. उस समय पूर्व नगरसेवक मिलिंद पाटिल एवं विश्वजीत करंजुले पाटिल भी उपस्थित थे. मिलिंद पाटिल ने विभाग के अधिकारियों से ये पूछा कि उलन चाल, कमलाकर नगर, न्यू कालोनी शहर पश्चिम के अन्य विभाग में लोगों को दो से तीन दिन तक पानी नहीं मिल रहा है. पानी के लिए हाहाकार

मचा हुआ है. अधिकारी केवल पेन-पेंड लेकर लिखते रहे. उनके पास कोई जवाब नहीं था.

विदित हो कि चुनाव से पूर्व विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने भी जलापूर्ति की समस्या को लेकर अधिकारियों के साथ कई बार बैठकें ली हैं. लेकिन मसला ज्यों का त्यों बरकरार है. विश्वजीत करंजुले ने भी अधिकारियों से पानी की समस्या के बारे में अपनी नाराजी व्यक्त की है. देखना है नगराध्यक्षा द्वारा ली गई ये बैठक शहरवासियों के पानी की समस्या को दूर करेगी या फिर उन्हें कोई सख्त कदम उठाना पड़ेगा.

अश्विनी कमलेश निकम महापौर की दावेदारी में सबसे आगे

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 7 में आरपीआय के पूर्व उपमहापौर भगवान भालेराव के किले को ध्वस्त करने वाले कमलेश निकम के नेतृत्व में उनकी पत्नी व शिवसेना उम्मीदवार अश्विनी कमलेश निकम ने 1867 वोटों से जीत दर्ज कर कीर्तिमान बनाया है। उनके साथ विजयी हुए युवा शिवसेना उम्मीदवार वास्तु विशारद दुर्गा दिनेश राय का भी भरपूर सहयोग रहा। आगामी समय में पैनल 7 की कायाकल्प करने के

लिए स्थानीय निवासियों ने अश्विनी कमलेश निकम को महापौर बनाने की मांग की है।

ज्ञात हो कि उल्हासनगर मनपा का अगला महापौर ओबीसी वर्ग से होना है। ऐसे में पप्पू कालानी के सबसे करीबी और सांसद श्रीकांत शिंदे के भी करीबी माने जाने वाले कमलेश निकम की पत्नी अश्विनी निकम के महापौर बनाए जाने की चर्चा जोरों पर चल रही है। शिवसेना की ओर से वो महापौर पद की दौड़ में सबसे आगे हैं।

बिल्डिंग के स्लैब का प्लास्टर गिरा

- फ्लैट को सील किया गया
- मनपा कर्मचारी व फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची
- पुरानी बिल्डिंगों का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने की मांग

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप 4 में रूपमिलन बिल्डिंग के फ्लैट नंबर 303 में अचानक स्लैब का प्लास्टर गिर गया है। यह फ्लैट

धर्मेंद्र आहूजा का है और बिल्डिंग करीब 30 साल पुरानी है। घटना की जानकारी मिलते ही उल्हासनगर महानगरपालिका के कर्मचारी और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। हालात का जायजा लेने के बाद, सुरक्षा कारणों से संबंधित फ्लैट को सील कर दिया गया है। अच्छी बात यह है कि इस समय उस फ्लैट में कोई नहीं रहता है, इसलिए इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। हालांकि, बिल्डिंग की स्ट्रक्चरल सेफ्टी को लेकर सवाल उठे हैं और कहा गया है कि महानगरपालिका आगे की जांच और जरूरी कार्रवाई करेगा। इस बीच, इस घटना से इलाके के लोगों में डर का माहौल है और लोग पुरानी बिल्डिंगों का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने की मांग कर रहे हैं।

बदलापुर फिर हुआ शर्मसार

- 4 वर्षीय बच्ची के साथ यौन शोषण
- वैन ड्राइवर ने चार साल की बच्ची के साथ किया कुकर्म
- वैन चालक गिरफ्तार
- बदलापुर पुलिस में मामला दर्ज

बदलापुर. बदलापुर शहर में एक बार फिर झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक निजी इंग्लिश मीडियम स्कूल की जूनियर केजी में पढ़ने वाली 4 साल की बच्ची के साथ स्कूल वैन के ड्राइवर द्वारा यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। घटना उस वक्त हुई जब स्कूल वैन चालक बच्ची को घर छोड़ने जा रहा था। इस घटना ने एक बार फिर अगस्त 2024 के उस जख्म को हरा कर दिया है, जब बदलापुर के एक स्कूल में ऐसी ही घिनौनी वारदात हुई थी।

पुलिस के अनुसार, घटना गुरुवार दोपहर की है। स्कूल की छुट्टी के बाद 37 वर्षीय आरोपी ड्राइवर बच्चों को घर छोड़ रहा था। पीड़िता वैन में आखिरी छात्रा बची थी। आरोप है कि इसी का फायदा उठाकर उसने बच्ची के साथ अश्लील हरकत की। रोज दोपहर साढ़े 12 बजे घर पहुंचने वाली बेटी जब करीब डेढ़ घंटा देरी से पहुंची, तो घर वाले भी घबरा गए। मासूम बेहद डरी और सहमी हुई थी। मां के बार-बार पूछने पर उसने आपबीती सुनाई, जिसके बाद परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। वें तुरंत स्कूल गए और ड्राइवर की करतूतों के बारें में बताया।

रिपोर्ट्स के अनुसार, जब पीड़ित माता-पिता शिकायत लेकर स्कूल पहुंचे, तो प्रिंसिपल ने कथित तौर पर आरोपी ड्राइवर का पक्ष लिया। इसके बाद आरोपी ड्राइवर को केबिन में बुलाया गया, तो उसे देखते ही 4 साल की मासूम डर के मारे अपने पिता के पीछे छिप गई। इसके बावजूद स्कूल प्रशासन ने मामले पर पर्दा डालने की कोशिश की, जिसके बाद परिजन सीधे बदलापुर (पश्चिम) पुलिस स्टेशन गए और शिकायत दर्ज करवाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत केस दर्ज किया और आरोपी को हिरासत में लेने के लिए पुलिस टीम को रवाना किया।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किशोर शिंदे ने पुष्टि की है कि आरोपी ड्राइवर को गुरुवार रात ही गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट (POCSO) की कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फॉरेंसिक टीम ने स्कूल वैन की सघन जांच कर अहम सबूत जुटाए हैं। परिजनों का आरोप है कि जब वे पहले स्कूल पहुंचे तो प्रिंसिपल ने आरोपी का पक्ष लिया और मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। घटना की खबर फैलते ही बदलापुर में आक्रोश फैल गया।

बदलापुर में दंगा कंट्रोल टीम

■ चाइल्ड राइट्स कमीशन ने मामले की पूरी जांच के आदेश दिए हैं, और पुलिस ने स्कूल के मालिक, टीचर और मैनेजमेंट को बुलाकर पूछताछ की है। इस मामले से उपजे गुस्से और राजनीतिक उथल-पुथल को देखते हुए रेलवे स्टेशन इलाके में दंगा कंट्रोल टीम नियुक्त की गई है। स्टेट चाइल्ड राइट्स कमीशन के सेक्रेटरी ने मौके का दौरा किया। ग्रुप एजुकेशन ऑफिसर विशाल पोटेकर ने कहा कि संबंधित प्री-स्कूल के डायरेक्टर के खिलाफ केस दर्ज करने के लिए पुलिस को लेटर दिया जाएगा।

घटना के विरोध में एनसीपी (अजीत पवार गुट) की महिला कार्यकर्ताओं ने पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ आक्रोशित नागरिकों ने स्कूल वैन पर भी पथराव किया, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। बताया जा रहा है कि राज्य सरकार के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद स्कूल वैन में कोई महिला अटेंडेंट मौजूद

'किसी भी नियम का पालन नहीं किया गया': डॉ. नीलम गोहे

बदलापुर. लेजिस्लेटिव काउंसिल की डिप्टी स्पीकर डॉ. नीलम गोहे ने कहा कि बदलापुर में हुई बुरी घटना इसलिए टाली नहीं जा सकी क्योंकि स्कूलों में स्टूडेंट्स की सुरक्षा के लिए ज़रूरी बचाव के तरीके समय पर लागू नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स को लाने-ले जाने की ज़िम्मेदारी तय है और गाड़ियों में एक महिला नर्स का होना ज़रूरी है। यह इंतज़ाम उस दिन नहीं था। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि यह घटना स्कूल की लापरवाही की वजह से हुई, और स्कूल द्वारा हायर की गई गाड़ी सर्विस के ड्राइवरों और कॉन्ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन और बैकग्राउंड चेक ज़रूरी है। इस बारे में ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाइक से बात की जाएगी। गोहे ने कहा कि प्री-प्राइमरी स्कूलों का अधिकार क्षेत्र किस डिपार्टमेंट के तहत होना चाहिए, इस बारे में पॉलिसी तय करने के लिए डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे से भी सलाह ली जाएगी।

MNS के पदाधिकारी दलबदल की तैयारी में

- नेताओं के लापरवाह रवैये से नाराज

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में शिवसेना (उबाठा) और MNS के गठबंधन में 11 MNS उम्मीदवार मैदान में थे. हालांकि, उनमें से कई बुरी तरीके से हार गए हैं और उनकी जमानत राशि जब्त कर ली गई है. MNS से 'जय महाराष्ट्र' कहकर दूसरी पार्टियों में शामिल होने वाले उम्मीदवारों में से एक उम्मीदवार जीत गया है. चुनाव के दौरान भी मुख्य और जिला स्तर के नेताओं का समर्थन न मिलने से कार्यकर्ताओं में बेचैनी बढ़ गई है और कई पदाधिकारी दलबदल की तैयारी में हैं.

म्युनिसिपल चुनाव में मविआ में शिवसेना (उबाठा) और MNS के गठबंधन ने शहर में 55 उम्मीदवार खड़े किए थे. इसमें MNS ने 11 पदाधिकारियों को उम्मीदवारी दी थी. जहां शिवसेना और BJP के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत कई नेता ज़ोरदार शक्ति प्रदर्शन और कैंपेन मीटिंग कर रहे थे, वहीं हारे हुए उम्मीदवार मन ही मन दुख जता रहे हैं कि MNS के एक भी राज्य या ज़िला लेवल के नेता ने शहर में मीटिंग नहीं की और न ही सपोर्ट दिया।

यह भी कहा जा रहा है कि कुछ वार्डों में MNS के पदाधिकारियों की जनसंपर्क कोशिशों के बावजूद, पार्टियों से गाइडेंस और सपोर्ट की कमी है। इसीलिए MNS के ज़िला उपाध्यक्ष प्रदीप गोडसे चुनाव से ठीक पहले शिवसेना में शामिल हो गए और जीत गए। जबकि शहर अध्यक्ष संजय घुगे BJP में शामिल होकर चुनाव लड़े लेकिन सिर्फ़ 150 वोटों से हार गए।

मीटिंग करने से भी बचे

यह भी कहा जा रहा है कि पार्टी पदाधिकारियों की तरफ़दारी के कारण कई उम्मीदवारों ने चुनाव न लड़ने का फ़ैसला किया है। पदाधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि नतीजों के बाद पदाधिकारियों की एक साधारण मीटिंग करने का भी सवाल ही नहीं उठता। MNS नेता ने कहा कि पार्टी के बेपरवाह मैनेजमेंट के कारण पदाधिकारी दूसरी पार्टियों में शामिल होने के बारे में सोच रहे हैं।

महापे MIDC में केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग

नवी मुंबई के महापे स्थित एमआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र में बीटाकेम केमिकल्स कंपनी में शनिवार को भीषण आग लग गई। आग इतनी ज़बरदस्त थी कि पूरे इलाके में घना काला धुआँ छा गया, जिससे कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं.

अंबरनाथ शहर का विकास कार्य ठप्प

- पक्ष नगरसेवकों के आपसी डावपेंच में अटका विकास

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद की सत्ता को चलाने के लिए शहर विकास कार्य को शुरू करने के लिए मार्च आखिर तक या उससे भी ज्यादा का इंतजार करना पड़ सकता है. एक महिना हुए चुनाव होकर लेकिन आपसी राजनीति के डावपेंच को देखते हुए सत्ता अधर में लटकी हुई है. हमारे पास नगराध्यक्ष, उप नगराध्यक्ष, 59 नगरसेवक, 5 स्वीकृत नगरसेवक तो हैं, लेकिन किसी भी विषय समिति का सभापति नहीं है. क्योंकि वह चुनाव हुए ही नहीं है. नपा की सर्वसाधारण सभा लेना भी मुश्किल है.

राकांपा (अप) के सदाशिव पाटिल और उनके तीन नगरसेवकों ने पहले भाजपा को समर्थन देकर गट निर्माण किया. गट निर्माण के बाद कांग्रेस के 12 नगरसेवक भाजपा में चले गए तो उन्होंने शिवसेना के साथ गट निर्माण किया. ये मामला जिलाधिकारी ठाणे के निर्णय पर टिका हुआ है. ये निर्णय मार्च तक आ सकता है. अगर जिलाधिकारी ने शिवसेना राकांपा के दूसरे गट को सही ठहराया तो उप नगराध्यक्ष

सदाशिव पाटिल का पद बरकरार रह सकता है. लेकिन अगर भाजपा के पहले गट को सही ठहराते हुए दूसरे गट को अवैध ठहराया तो यहां सदाशिव पाटिल उनके नगरसेवकों के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं. जिलाधिकारी के निर्णय के बाद अगर एक गट को निर्णय स्वीकार नहीं है तो वह उच्च न्यायालय का सहारा ले सकता है. ये मामला अब उलझता चला जा रहा है. अगर ऐसा हुआ तो शहर का विकास ठप होकर रह जाएगा. कांग्रेस के जिन 12 नगरसेवकों ने पक्ष को छोड़कर भाजपा में चले गए थे. ये मामला भी कोर्ट कचहरी के चक्कर में फंस सकता है. अगर ऐसा हुआ तो विषय समिति के सभापति चुनाव लटक सकते हैं. शहर की जनता ने ये सोचा था कि नगरसेवकों के आने से उनको लाइट पानी, गटर, स्वच्छता, सड़क जैसी अच्छी सुविधाएं मिलेंगी. ये सब सुविधाएं नगरसेवकों द्वारा ही उत्पन्न की गई पेचीदगियों में उलझ कर रह गई हैं.

कोंकण डिविजनल पुलिस कंप्लेंट्स अथॉरिटी ने अहम फैसला दिया

- अक्षय शिंदे रेप केस फिर चर्चा में

ठाणे. बदलापुर के एक स्कूल में दो लड़कियों के साथ सेक्सुअल असॉल्ट केस के आरोपी अक्षय शिंदे को पुलिस ने एक साल पहले एनकाउंटर में मार गिराया था। हालांकि, कोंकण डिविजनल पुलिस कंप्लेंट्स अथॉरिटी की जांच में पता चला कि पुलिस ने केस दर्ज करने में देरी की और अथॉरिटी ने इस केस में एक सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर समेत तीन लोगों को दोषी ठहराया है। यह केस अब फिर चर्चा में आ गया है क्योंकि अथॉरिटी ने वही रिपोर्ट राज्य सरकार को दी है।

कोंकण डिविजनल पुलिस कंप्लेंट्स अथॉरिटी के चेयरमैन पी. सी. बावस्कर, मेंबर सुधीर दाभाड़े (पूर्व डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, IPS) और महेश भिंगार्डे (सिविल सेक्टर से सीनियर मेंबर) की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बदलापुर के एक स्कूल में दो लड़कियों के साथ सेक्सुअल असॉल्ट का केस दो साल पहले हुआ था। पुलिस ने इस केस में अक्षय शिंदे को गिरफ्तार किया था और बाद में उसे एनकाउंटर में मार गिराया था। इस बीच, अलग-अलग अखबारों और चैनलों में खबरें छपीं कि बदलापुर (ईस्ट) पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने पीड़िता की शिकायत समय पर दर्ज नहीं की और उसके रिश्तेदारों की शिकायतों को नज़रअंदाज़ किया। इस पर ध्यान देते हुए अथॉरिटी ने

खुद ही मामले की जांच शुरू कर दी थी। अथॉरिटी ने मामले की जांच के लिए रिटायर्ड सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर सावता महादेव शिंदे को नियुक्त किया था। उन्होंने 28 अगस्त 2024 को बदलापुर (ईस्ट) पुलिस स्टेशन का दौरा किया, पूछताछ की और रिपोर्ट दी।

इसके अनुसार, पीड़िता और उसके रिश्तेदार 16 अगस्त 2024 को दोपहर करीब 2.05 बजे पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। हालांकि, क्राइम रात 10.26 बजे दर्ज किया गया। कहा गया कि जांच में पता चला कि उस समय ड्यूटी पर मौजूद सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर शुभदा रवींद्र शितोले, असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर सुभाष प्रभाकर मोरे और पुलिस कांस्टेबल बालकृष्ण पद्माकर फिरके, सभी क्राइम दर्ज करने में देरी के लिए जिम्मेदार थे।

रिपोर्ट के आधार पर अथॉरिटी ने सुनवाई की और फैसला सुनाया। केस दर्ज करने में देरी से पीड़ित के कानूनी अधिकारों पर बुरा असर पड़ता है। महाराष्ट्र डिविजनल लेवल पुलिस कंप्लेंट्स अथॉरिटी (एडमिनिस्ट्रेशन एंड प्रोसीजर) रूल्स, 2018 में 'मिसकंडक्ट' शब्द की परिभाषा के अनुसार, संबंधित अधिकारियों के काम साफ तौर पर मिसकंडक्ट हैं। इस मामले में, डिपार्टमेंटल जांच पहले ही हो चुकी है और शुभदा शितोले को दो साल के लिए दो पे इंक्रीमेंट रोकने की सज़ा दी गई है। यह सज़ा अभी अपील में है।

जबकि, सुभाष मोरे और बालकृष्ण फिरके को सख्त चेतावनी दी गई है और सज़ा फाइनल हो गई है क्योंकि इस पर अपील नहीं की जा सकती। इसलिए, रेस्पोंडेंट्स ने यह तर्क दिया कि डबल सज़ा नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि, चूंकि यह ट्रायल नहीं बल्कि एक जांच है, इसलिए अथॉरिटी ने साफ किया है कि कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर में डबल सज़ा का सिद्धांत यहां लागू नहीं होता है। अपने आखिरी आदेश में, अथॉरिटी ने निर्देश दिया है कि इस फैसले की एक कॉपी और एक रिपोर्ट महाराष्ट्र सरकार के होम डिपार्टमेंट के साथ-साथ संबंधित सीनियर अधिकारियों को भी भेजी जाए।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

आवारा कुत्ते, सुप्रीम कोर्ट और इंसान की संवेदना

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट में रखी जा रही दलीलों से अभी कोई नतीजा भले नहीं निकला हो, लेकिन अदालत ने इस समस्या का ठोस हल निकालने का साफ संदेश दिया है। इसके बरक्स कुछ लोगों को पशुओं के प्रति संवेदनहीनता दर्शाने और कानूनों को ताक पर रखने में हिचक नहीं हो रही है, तो यह मानवीय संवेदना और समझ पर एक सवालिया निशान है।

अगर आवारा कुत्तों की वजह से कोई समस्या पैदा हो रही है, तो उससे बचाव के लिए उचित उपाय निकालने के लिए सरकार से मांग करने और अपने स्तर पर भी सावधानी बरतने की जरूरत है। इसके बजाय अगर कुछ लोगों को कुत्तों को मार डालने जैसे क्रूर रास्ते अपनाना सही लग रहा है, तो यह एक बेहद अफसोसनाक स्थिति है।

गौरतलब है कि तेलंगाना के याचाराम गांव में बुधवार को कुछ लोगों ने कम से कम सौ कुत्तों को कथित तौर पर जहर देकर मार डाला। पुलिस के मुताबिक, ताजा घटना इस महीने तेलंगाना के कई जिलों में अब तक लगभग पांच सौ आवारा कुत्तों को मार डालने के बाद सामने आई है।

यह समझना मुश्किल है कि आवारा कुत्तों के टीकाकरण, बंध्याकरण और उन्हें अनुकूल पर्यावास मुहैया कराने के लिए सरकार से जरूरी कदम उठाने की मांग करने के बजाय लोगों को मानवीय संवेदना के न्यूनतम तकाजों को भी ताक पर रखना क्यों जरूरी लग रहा है। ऐसे लोगों को संभवतः पशु क्रूरता निवारण से जुड़े कानून की भी कोई फिक्र नहीं है, जो जानवरों को अनावश्यक दर्द पहुंचाने और पीड़ा देने से रोकता है और इसका उल्लंघन करने वालों के लिए दंड का प्रावधान करता है।

विडंबना यह है कि आवारा कुत्तों के काटने या इससे जुड़ी अन्य समस्याओं पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद सरकारें रिहायशी इलाकों से उन्हें हटाने या इस समस्या का हल निकालने को लेकर ज्यादा संवेदनशील नहीं दिखतीं। आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ने और उनके आक्रामक होते जाने पर पहले ही उपाय कर लिए जाते, तो यह समस्या आज इतनी गंभीर नहीं होती, जितनी दिख रही है। कुत्तों के काटने से उपजे जोखिम से इनकार नहीं किया जा सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं हो सकता कि मनुष्य अपनी बुनियादी संवेदनाओं को भी छोड़ दे।

भारत के विकास का 'ग्रोथ इंजन' बन चुका है यूपी

आज हम सभी उत्तर प्रदेशवासी पूरे हर्षोउल्लास और गर्व के साथ उत्तर प्रदेश दिवस मना रहे हैं। नौ जलवायु क्षेत्रों से आच्छादित, विविधताओं से समृद्ध और असीम संभावनाओं वाला हमारा प्रदेश भारत की सांस्कृतिक आत्मा का उद्गम, आध्यात्मिक चेतना का केंद्र और आर्थिक सामर्थ्य की आधारशिला रहा है। कृषि, उद्योग और पर्यटन की अपार क्षमताओं के साथ हमारा प्रदेश आज युवा शक्ति, प्रतिभा और उद्यमशीलता का एक जीवंत केंद्र बना है। 2017 उत्तर प्रदेश के इतिहास में परिवर्तन के लिए निर्णायक सिद्ध हुआ।

इससे पहले संगठित अपराध और सत्ता के संरक्षण में पनपे माफिया तंत्र के कारण आम नागरिक और निवेशक, दोनों का विश्वास डगमगा चुका था। 'बीमारू' प्रदेश की छवि उत्तर प्रदेश की वास्तविक क्षमता और संभावनाओं पर भारी पड़ रही थी। 2017 में सरकार बनने के बाद हमने 'जीरो टालरेंस' की नीति को दृढ़ संकल्प के साथ पूरे प्रदेश में लागू किया। जहां कभी कर्फ्यू-दंगे सामान्य माने जाते थे, वहां आज शांति, स्थिरता और विश्वास का वातावरण है। यही सुरक्षित और भरोसेमंद वातावरण आज उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा की सबसे मजबूत नींव बना है।

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को प्रदेश में पूरी प्रतिबद्धता और निष्ठा के साथ लागू किया गया। डबल इंजन सरकार के सतत् और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश ने 'बाटलनेक से ब्रेकथ्रू', 'रेवेन्यू डेफिसिट से रेवेन्यू सरप्लस'

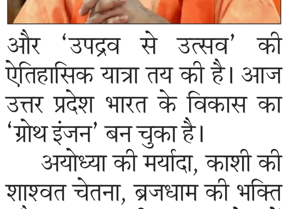

और 'उपद्रव से उत्सव' की ऐतिहासिक यात्रा तय की है। आज उत्तर प्रदेश भारत के विकास का 'ग्रोथ इंजन' बन चुका है।

अयोध्या की मर्यादा, काशी की शाश्वत चेतना, ब्रजधाम की भक्ति और प्रयागराज की समरसता ने युगों से भारत की सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए किए गए सतत् प्रयासों ने सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हुए प्रदेश के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रिकार्ड पुलिस भर्तियों, महिला सशक्तीकरण, आधुनिक पुलिसिंग, सुदृढ़ साइबर व फारेंसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा त्वरित आपातकालीन सेवाओं के व्यापक विस्तार ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को नई मजबूती और विश्वसनीयता प्रदान की है।

2017 में जहां उत्तर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) लगभग 13 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर था, वहीं आज यह 22 लाख करोड़ रुपये की ऐतिहासिक छलांग लगाते हुए 35 लाख करोड़ रुपये की ओर तेजी से अग्रसर है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 9.5 प्रतिशत योगदान के साथ उत्तर प्रदेश आज भारत की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। प्रति व्यक्ति आय को लगभग तीन गुना करने में प्रदेश सफल रहा है। हम वर्ष 2029-30 तक उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश निरंतर एक रेवेन्यू सरप्लस राज्य बना हुआ है।

जिन निवेशकों ने कभी कमजोर कानून-व्यवस्था और नीतिगत पंगुता के कारण प्रदेश से दूरी बना ली थी, आज उनमें उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर प्रतिस्पर्धा दिखाई देती है। डी-रेगुलेशन के क्षेत्र में प्रदेश ने पूरे देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करते हुए रिकार्ड स्तर पर औद्योगिक निवेश को आकर्षित किया है। 34 से अधिक सेक्टोरल नीतियां और 'निवेश मित्र' व 'निवेश सारथी' जैसे डिजिटल प्लेटफार्म ने उद्योगों के लिए एक सुगम, पारदर्शी और भरोसेमंद वातावरण तैयार किया है। अब एमओयू केवल कागजों तक सीमित न रहकर ग्राउंड ब्रेकिंग से लेकर उत्पादन और व्यापक रोजगार सृजन तक ठोस परिणाम दे रहे हैं। आज प्रदेश में 27 हजार से अधिक कारखाने संचालित हो रहे हैं।

डबल इंजन सरकार के प्रयासों से एमएसएमई, स्टार्टअप और ओडीओपी को लोकल से ग्लोबल की पहचान मिली है। देश के मोबाइल फोन उत्पादन का लगभग 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रानिक कंपोनेंट्स का करीब 60 प्रतिशत निर्माण आज उत्तर प्रदेश में हो रहा है। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, रैपिड रेल और मेट्रो के तीव्र विस्तार ने प्रदेश के व्यापार, पर्यटन और निवेश को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। उत्तर प्रदेश निवेश और नवाचार का नया केंद्र बनकर उभर रहा है।

प्रभु का प्रकाश हम में से हर एक के अंदर है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

दुश्मन नहीं, रास्ता बना जवानों का काल?

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए हादसे में जिस तरह दस जवानों की जान चली गई, वह दुर्गम इलाके में तैनात सुरक्षा बलों के सामने मौजूद बहुस्तरीय जोखिम का ही उदाहरण है। गौरतलब है कि गुरुवार को डोडा में सेना के एक बुलेटप्रूफ वाहन में सवार फौजी लगभग नौ हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित एक चौकी की ओर जा रहे थे। इस बीच खन्नी टाप के पास वाहन सड़क से फिसल कर दो सौ फुट गहरी खाई में जा गिरा। इतनी ऊंचाई से गिरने के बाद वाहन और उसमें सवार लोगों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। दस जवानों की मौत के अलावा ग्यारह अन्य जवान बुरी तरह घायल भी हुए।

जाहिर है, आतंकवाद का सामना करने के क्रम में जानलेवा खतरों और हमलों का सामना करने के अलावा इस घटना से वहां ड्यूटी के लिए तैनात सुरक्षा बलों के सामने एक अतिरिक्त चुनौती का पता चलता है। यह इलाका अपनी बेहद मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों के लिए जाना जाता रहा है और वहां सुरक्षा बलों के जवानों के सामने हमेशा ही जोखिम की स्थिति बनी रहती है। ऊंचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच आतंकवादियों का सामना करना पहले ही एक बड़ी चुनौती रही है।

उसमें जब सुरक्षा कारणों से ही सड़कों पर सफर के क्रम में हुए हादसे में

जवानों की मौत हो जाती है, तो यह वाहन चलाने में हुई मामूली चूक के खतरनाक नतीजों के साथ-साथ दुर्गम इलाकों में मौजूद रास्तों के बेहद असुरक्षित होने का भी सबूत है। सवाल है कि देश की सुरक्षा के लिहाज से अतिसंवेदनशील इलाकों में सड़कों को इस हालत में कैसे छोड़ा गया है कि किसी वाहन के खाई में गिरने के बाद उसमें सवार लोगों के जिंदा बचने की गुंजाइश बेहद कम होती है।

अफसोस की बात यह है कि उस समूचे क्षेत्र में सुरक्षा बलों के सामने मौजूद अलग-अलग जोखिम के समांतर बचाव के मोर्चे पर शायद पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। वरना हादसे और जोखिम के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील जगहों पर सड़कों के किनारे मजबूत सुरक्षा घेरा या पैराफिट लगाने भर से पहाड़ी इलाकों में होने वाले हादसों में जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी और ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में वाहनों के दुर्घटना का शिकार होने और जवानों की मौत या उनके घायल होने की घटनाएं अक्सर सामने आती रही हैं। वाहन पर से चालक का नियंत्रण खोना एक कारण हो सकता है, लेकिन उस क्षेत्र में संकरी और घुमावदार सड़कों के तीखे मोड़ पर फिसलन का खतरा बना रहता है।

ताजा घटना में जिस खन्नी टाप पर सेना का वाहन हादसे का शिकार हुआ, उस तरह की जगहों पर ऊंचाई और कंकड़-मिट्टी की वजह से फिसलन ज्यादा घातक हो जाती है। खासतौर पर दिसंबर-जनवरी के बीच ज्यादा ठंड और बर्फबारी की वजह से सड़क पर फिसलन आम रहती है।

ऐसे में उन सड़कों से अगर भारी सैन्य वाहन गुजरते हैं, तो ऊंचाई वाली जगहों पर कई बार वाहन पर नियंत्रण मुश्किल काम होता है और उसमें चूक की आशंका बनी रहती है। हादसों पर लगाम के लिए इलाके में तैनात जवानों को खराब मौसम और परिस्थिति के मुताबिक बेहतर प्रशिक्षण तथा वाहनों के रखरखाव के पहलू पर ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए।

सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि सड़कों के बुनियादी ढांचे पर ठोस काम हो और उसे पूरी तरह सुरक्षित बनाने के इंतजाम किए जाएं, ताकि देश की सुरक्षा और आतंकवाद का सामना करने के लिए तैनात सुरक्षा बलों के जवानों के सामने हादसों में जान गंवाने की नौबत न आए।

12,000 साल पहले भी 'सुपर फिट' था इंसान

इतिहास के पन्नों में कई ऐसे रहस्य दबे हुए हैं, जिन्हें आज की आधुनिक तकनीक धीरे-धीरे उजागर कर रही है. हम अक्सर सोचते हैं कि

जरा हट के

हजारों साल पहले का इंसान कमजोर या बीमार रहा होगा, लेकिन हाल ही में हुई एक खोज ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है. वैज्ञानिकों को एक ऐसे शख्स का कंकाल मिला है, जो करीब 12,000 साल पहले धरती पर रहता था. ताज्जुब की बात यह है कि उस शख्स का न केवल स्वास्थ्य बेहतर था, बल्कि उसके दांत आज के इंसानों से भी कहीं ज्यादा मजबूत थे. दक्षिण अमेरिका में पाया गया यह अब तक का सबसे पुराना मानव कंकाल है, जिसे 'मैन ऑफ लॉस विलोस' नाम दिया गया है. पुरातत्वविद सीजर मेंडेज के अनुसार, इस कंकाल की खोज चिली के कोकिम्बो क्षेत्र में 'लॉस रिएलेस' नामक पुरातात्विक स्थल पर हुई थी.

दिलचस्प बात यह है कि यह

खोज किसी सोची-समझी खुदाई का हिस्सा नहीं थी, बल्कि सीवेज पाइपलाइनों को बिछाने के काम के दौरान अचानक सामने आई. खुदाई में मिला यह कंकाल एक 'शेल मिडन' (पुराने समय के शिकारियों द्वारा फेंके गए सीपों का ढेर) के नीचे दबा हुआ था. वैज्ञानिक विश्लेषण से पता चला है कि मौत के समय इस व्यक्ति की उम्र 40 से 45 वर्ष के बीच रही होगी. उस दौर के हिसाब से यह एक लंबी और स्वस्थ उम्र मानी जा सकती है. वह पूरी तरह फिट था और उसके दांतों की मजबूती एक्सपर्ट्स को हैरान कर रही है. जांच में यह भी पाया गया कि वह एक टूटी हुई पसली के दर्द से भी उबर चुका था, यानी उसके शरीर में घावों को भरने की अद्भुत क्षमता थी. उसकी डाइट का विश्लेषण करने पर पता चला कि वह मुख्य रूप से मछली और सीफूड पर निर्भर था.

मेंडेज का सवाल है कि यदि एक जगह से इतना महत्वपूर्ण सुराग मिल सकता है, तो मिट्टी के नीचे ऐसे कितने ही पुरुष और महिलाएं दबे होंगे जो हमें हमारे पूर्वजों के बारे में और भी चौंकाने वाली जानकारियां दे सकते हैं. यह खोज साबित करती है कि प्राचीन काल का मानव संसाधनों की कमी के बावजूद शारीरिक रूप से आज के मुकाबले कहीं अधिक सक्षम और मजबूत था.

स्पंजी ढोकला

सामग्री

ढोकला बैटर के लिए–

- बेसन- 1.5 कप
- सूजी (रवा)- 1 बड़ा चम्मच
- दही- 1/2 कप
- अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
- चीनी- 1 छोटा चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- ईनो या बेकिंग सोडा- 1 छोटा चम्मच
- नींबू का रस- 1 बड़ा चम्मच

तड़के के लिए–

- तेल- 1 बड़ा चम्मच
- राई - 1 छोटा चम्मच
- करी पत्ता- 8-10
- हरी मिर्च- 3-4
- हरा धनिया- बारीक कटा हुआ

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में बेसन, सूजी, नमक, चीनी, हल्दी, अदरक-मिर्च पेस्ट और दही को मिलाएं। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर एक चिकना घोल तैयार करें। इसे 10-15 मिनट के लिए ढककर छोड़ दें। अब एक बड़े पतीले या स्टीमर में 2-3 कप पानी गरम करें। जिस थाली या टिन में

ढोकला बनाना है, उसे तेल लगाकर चिकना कर लें। जब पानी उबलने लगे, तब बेसन के घोल में नींबू का रस और ईनो डालें। इसके ऊपर एक चम्मच पानी डालें, ताकि ईनो एक्टिव हो जाए। अब इसे एक ही दिशा में तेजी से फेंटें। आप देखेंगे कि बैटर फूलकर दोगुना हो गया है। इसे तुरंत चिकनाई लगी थाली में डालें। अब थाली को स्टीमर में रखें और ढक्कन बंद कर दें। इसे मध्यम-तेज आंच पर 15 से 20 मिनट तक पकने दें। 15 मिनट बाद चाकू डालकर चेक करें; अगर चाकू साफ निकलता है, तो ढोकला तैयार है। इसे बाहर निकालें और ठंडा होने दें। फिर एक छोटे पैन में तेल गरम करें। इसमें राई, करी पत्ता और हरी मिर्च डालें। जब राई चटकने लगे, तब इसमें आधा कप पानी और एक चम्मच चीनी डालें। पानी में उबाल आने पर गैस बंद कर दें। ढोकले को मनचाहे आकार के टुकड़ों में काट लें। अब तैयार गरम तड़के को चम्मच से पूरे ढोकले पर फैलाएं और ढोकले को हरी चटनी के साथ सर्व करें।

आज का राशिफल

मेष : कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। रुके धन की प्राप्ति में अड़चनें आएंगी।

वृषभ : मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने काम से काम रखें। दूसरों के विश्वास में न आएं। परिवार में तनावपूर्ण माहौल रह सकता है।

मिथुन : लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। कार्य के विस्तार की योजना बनेगी। संत-समागम होगा।

कर्क : चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह : शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या : दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। स्थायी संपत्ति के मामले उलझेंगे। कार्य में मित्रों की मदद मिलेगी। आर्थिक मनोबल बढ़ेगा।

तुला : कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। वाणी पर संयम आवश्यक है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक : चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख, संतोष बढ़ेगा। उपहार मिलने के योग हैं। अधिक व्यय न करें। खर्चों में कमी करें।

धनु : पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। दांपत्य जीवन में गलतफहमी आ सकती है।

मकर : घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे। विपरीत परिस्थितियों का सफलता से सामना कर सकेंगे। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ : शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं। विद्वानों के साथ रहने का अवसर मिलेगा। व्यापार में भागीदार सहयोग करेंगे।

मीन : घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

क्या आपके पैरों में भी रहती है सूजन?

खराब लाइफस्टाइल और अनहेल्दी फूड्स की वजह से ज्यादातर लोग किसी न किसी बीमारी के चपेट में हैं। ऐसे में पैरों में सूजन की समस्या लंबे समय तक खड़े रहने या बैठने की वजह से भी हो सकती है। यह समस्या देखने में छोटी लग सकती है, लेकिन अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो आगे चलकर परेशानी बढ़ सकती है। ऐसे में कुछ हेल्दी आदतें अपनाकर पैरों की सूजन को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ असरदार उपायों के बारे में।

घर पर ही इन 5 आसान तरीकों से पाएं राहत

■ पर्याप्त पानी पिएं

शरीर में पानी की कमी होने पर शरीर लिक्विड्स जमा करने लगता है, जिससे सूजन बढ़ जाती है। इसलिए दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। पानी के अलावा आप सूप, फ्रूट जूस, नारियल पानी और स्मूदी भी फायदेमंद हो सकते हैं। वहीं, शराब और ज्यादा कैफीन वाले चीजों को पीने से बचें, क्योंकि ये शरीर को डिहाइड्रेट कर सकते हैं।

■ कंप्रेशन सॉक्स का इस्तेमाल

पैरों में सूजन का एक बड़ा कारण नसों से जुड़ा भी हो सकता है, जो खून के जमा होने पर होता है। ऐसे में इससे राहत पाने के लिए कंप्रेशन सॉक्स एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। ये मोजें पैरों पर हल्का दबाव बनाकर ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करते हैं। हालांकि, अगर किसी व्यक्ति को दिल से जुड़ी समस्या है, तो इन्हें इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

■ पैरों को तकिए का सहारा दें

अगर हमेशा आपके पैरों में सूजन रहती है, तो बैठते या लेटते समय पैरों की नीचे तकिए लगाएं। इससे तरल पदार्थ का बहाव बेहतर होता है और सूजन कम होने लगती है। प्रेग्नेंसी के दौरान भी यह तरीका काफी कारगर माना जाता है।

■ नमक कम खाएं

अगर आप खाने में ज्यादा नमक खाते हैं, तो इससे शरीर में पानी जमा होने लगता है, जिससे सूजन बढ़ जाती है। प्रोसेस्ट फूड्स और पैकेट वाले खाने में नमक ज्यादा होता है, इसे खाने से बचें। इसकी बजाय ताजा और घर का बना खाना ही खाएं। खाने में ऊपर से नमक डालने की आदत भी कम करें।

■ वजन को रखें कंट्रोल

ज्यादा वजन होने से पैरों पर दबाव बढ़ता है और ब्लड सर्कुलेशन पर असर पड़ता है। इससे सूजन की समस्या बढ़ सकती है। संतुलित आहार और नियमित हल्की एक्सरसाइज से वजन कंट्रोल रखने में मदद मिलती है।

बालों में विटामिन ई लगाने का क्या है सही तरीका?

■ शाइनी, मजबूत और मुलायम बाल के लिए फॉलो करें ये स्टेप्स

विटामिन ई डैमेज स्किन और बालों के लिए कारगर माना जाता है. इसे फूड्स के जरिए भी लिया जाता है, और कई प्रोडक्ट्स भी विटामिन ई की कमी को पूरा करने का काम करते हैं. वर्षों से विटामिन ई हेयर फॉल कम करने, चमक बढ़ाने और दोमुंहे बालों को रोकने में मदद करता है. विटामिन ई वसा में घुलनशील एंटीऑक्सीडेंट है जो ऑक्सीडेटिव तनाव से बालों के फॉलिकल्स की प्रोटेक्शन के लिए जरूरी है. ये स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को सुधारता है, जिससे बाल मजबूत और चमकदार होते है. साथ ही हेयर फॉल की समस्या भी कम होती है.

विटामिन ई का यूज कैसे करें

विटामिन ई बालों के लिए फायदेमंद होता है लेकिन इसका इस्तेमाल मॉडरेशन में करना चाहिए. ज्यादा मात्रा में इसे लगाना या सप्लीमेंट खाना टॉक्सिसिटी पैदा कर सकता है. हमेशा इसका उपयोग करने से पहले एक पैच टेस्ट करें.

टॉपिकल यूज का तरीका- टॉपिकल उपयोग से स्कैल्प और बालों को सीधे पोषक तत्व मिलते हैं. ऐसे में आप विटामिन ई का तेल लगा सकते हैं. लेकिन ये काफी मोटा होता है, इसलिए इसे लगाने से पहले पतला करना

विटामिन ई लगाने के फायदे

- विटामिन ई बालों के विकास को बढ़ावा देता है
- विटामिन ई खोपड़ी पर तेल के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे यह बहुत अधिक सूखा या बहुत तैलीय नहीं होता है.
- विटामिन ई में नमी प्रदान करने वाले गुण होते हैं, जो बालों की लोच को सुधारते हैं और नुकसान को कम करते हैं.
- डैमेज बालों के नेचुरल चमक को बढ़ाता है और हाइड्रेशन को सुधारता है.

आवश्यक है. इसलिए इसे बादाम, सूरजमुखी या नारियल तेल के साथ मिलाकर लगाना चाहिए. इसके साथ ही कम से कम बालों में 3-5 मिनट अच्छी तरीके से मसाज करें. इसके अलावा आप शैंपू या कंडीशनर में भी एक से दो विटामिन ई कैप्सूल मिलाकर यूज कर सकते हैं.

कुकर में सीटी लगते ही बाहर निकल जाती है दाल?

■ अपनाएं ये देसी तरीका
■ झाग होगा पूरी तरह कंट्रोल

आज के समय में प्रेशर कुकर हर रसोई की जरूरत बन चुका है. तेज़ रफ्तार जिंदगी में लोग चाहते हैं कि खाना कम समय में बने और बार-बार चूल्हे पर खड़े होकर देखने की झंझट न हो. दाल, चावल और बीन्स जैसी चीजें कुकर में जल्दी पक जाती हैं, लेकिन इनके साथ एक आम समस्या भी सामने आती है. जैसे ही कुकर की सीटी लगती है, झाग या फेन बाहर निकलने लगता है. इससे किचन गंदा हो जाता है और गैस पर भी पानी या दाल फैल जाती है, जिससे परेशानी बढ़ जाती है.

दरअसल, दाल, बीन्स और चावल में मौजूद स्टार्च इस समस्या की सबसे बड़ी वजह होता है. जब ये चीजें पानी में उबलती हैं, तो स्टार्च पानी के साथ मिलकर झाग बनाता है. भाप का दबाव बढ़ते ही यह झाग कुकर की सीटी या ढक्कन के किनारों से बाहर आने लगता है. कई बार यह झाग गैस पर फैलकर बदबू और सफाई की परेशानी भी पैदा करता है. लगातार ऐसा होने से खाना बनाना झंझट भरा लगने लगता है और लोग कुकर इस्तेमाल करने से भी कतराने लगते हैं.

हालांकि इस समस्या से घबराने की जरूरत बिल्कुल नहीं है. कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर झाग को काफी हद तक रोका जा सकता है. सबसे आसान तरीका यह है कि कुकर में दाल, बीन्स या चावल डालने

के बाद उसमें एक चम्मच तेल या घी मिला दें. इससे झाग बनने की प्रक्रिया टूट जाती है और उबाल के दौरान फेन बाहर नहीं निकलता. साथ ही यह भी जरूरी है कि कुकर को कभी जरूरत से ज्यादा न भरें.

खासतौर पर दाल और बीन्स पकाते समय अगर आप खाने में तेल या घी नहीं डालना चाहते हैं, तो इसके लिए एक और आसान तरीका मौजूद है. कुकर बंद करने से पहले उसके अंदर एक साफ स्टील की चम्मच रख देने से झाग की समस्या कम हो जाती है. उबाल के दौरान यह चम्मच बनने वाले बुलबुलों को तोड़ देती है, जिससे झाग कंट्रोल में रहता है.

इन आसान उपायों को अपनाकर आप कुकर में खाना बनाते समय होने वाली झाग की परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं. न तो किचन गंदा होगा और न ही बार-बार कुकर चेक करने की जरूरत पड़ेगी. सही मात्रा में सामग्री डालना, थोड़ा सा तेल या घी मिलाना या फिर स्टील की चम्मच वाली ट्रिक अपनाना, ये सभी तरीके बेहद आसान और कारगर हैं. इन घरेलू उपायों से न सिर्फ समय बचेगा, बल्कि खाना बनाना भी आसान और तनाव मुक्त हो जाएगा.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

गर्लफ्रेंड के साथ घूमने पर टोका तो दे दिया तीन तलाक, मारपीट कर घर से निकाला

मेरठ. गर्लफ्रेंड के साथ घूमने पर पति ने मारपीट कर महिला को तीन तलाक दे दिया और घर से बाहर निकाल दिया। तीन बेटियों के साथ महिला अपने पिता के घर रह रही है। एसएसपी से शिकायत की गई, जिसके बाद उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और तीन तलाक के संबंध में लिसाड़ी गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। रशीदनगर निवासी महिला का निकाह कांशीराम कॉलोनी निवासी युवक से हुआ था। उनके चार बच्चे हैं। महिला का आरोप है कि उसके पति का किसी अन्य महिला से प्रेम प्रसंग है। पति को गर्लफ्रेंड के साथ बाइक पर घूमते हुए कुछ माह पूर्व पकड़ लिया था। मौके पर जमकर हंगामा हुआ था। महिला ने मायके पक्ष को शिकायत की थी। दोनों पक्ष की पंचायत हुई थी। पंचायत में निर्णय लिया युवक अब प्रेमिका से नहीं मिलेगा। बावजूद इसके युवक ने प्रेमिका से मिलना जारी रखा। दोबारा से पत्नी ने पति और उसकी प्रेमिका को पकड़ लिया। इस पर गुस्साए युवक ने पत्नी से मारपीट कर दी और तीन तलाक दे दिया।

सत्यापन में गड़बड़ी पर चार चकबंदी लेखपालों पर एफआईआर

पिहानी (हरदोई). धान खरीद में किसानों के सत्यापन में अनियमितता पाए जाने के बाद डीएम के आदेश पर क्षेत्र के चार चकबंदी लेखपालों पर धोखाधड़ी व जालसाजी के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। चकबंदी अधिकारी पिहानी हरिशंकर यादव ने चकबंदी लेखपाल लोकेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि धान खरीद वर्ष 2025-26 चकबंदी प्रतिक्रिया के तहत आने वाले गांवों के सभी किसानों के पंजीकरण प्रपत्र सीधे चकबंदी लेखपाल के द्वारा शत प्रतिशत सत्यापन, संसोधन चकबंदी लेखपाल, चकबंदी अधिकारी के द्वारा किया जा रहा है।

महिला ने खाया सिंदूर, सीएचसी में भर्ती

मछलीशहर (जौनपुर). कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पति से हुए आपसी विवाद में सिंदूर खा लिया। महिला का इलाज सी एच सी मछलीशहर में चल रहा है। दाउदपुर गांव निवासी 22 वर्षीय काजल पत्नी कपूरी लाल ने परिवार में हुए आपसी अनबन के कारण शुक्रवार देर शाम सिंदूर खा लिया। महिला के सिंदूर खाने की जानकारी परिजनों को मिली तो उसको लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां चिकित्सक ने महिला की स्थिति गंभीर देखते हुए भर्ती कर लिया। महिला का ईलाज सीएचसी में चल रहा है।

हाईवे पर मिला महिला का क्षत-विक्षत शव

कानपुर देहात। रनियां कस्बे मे राजेंद्रा चौराहे के पास हाईवे के ओवर ब्रिज पर शनिवार सुबह एक महिला का बुरी तरह कुचला हुआ क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त का प्रयास किया, पर उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। कानपुर-औरैया हाईवे पर रनियां में राजेंद्रा चौराहे के पास स्थित ओवर ब्रिज पर शनिवार सुबह करीब पैंतीस साल की एक महिला का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। शव के ऊपर से वाहनों के गुजरने के चलते उसका सिर व चेहरा व शरीर बुरी तरह कुचला हुआ था। इसकी जानकारी मिलने पर इंस्पेक्टर रनियां शिव नारायण सिंह मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही शव कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। वहां मौजूद लोग भी शव के बुरी तरह क्षत विक्षत होने के कारण उसकी पहचान नहीं कर सके। जबकि उसके पास से पहचान का कोई अभिलेख आदि भी नहीं मिला। इसपर पुलिस ने शव को मेडिकल कालेज भिजवाने के बाद उसकी पहचान के लिए प्रयास शुरू किया।

भारत बनाएगा अपना स्पेस स्टेशन

- **ISRO ने शुरू किया काम**

नई दिल्ली. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में एक और छलांग लगाने की तैयार कर रहा है। स्पेस एजेंसी ने अपनी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) की नींव रख दी है। भारतीय उद्योग जगत को साथ आने का न्योता दिया है। यह कदम भारत को उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर देगा जिनके पास अंतरिक्ष में अपना स्थायी ठिकाना (स्टेशन) है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) ने भारतीय कंपनियों के लिए 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' (EoI) जारी किया है। इसके जरिए निजी क्षेत्र की कंपनियों को अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल, BAS-01 के निर्माण के लिए आमंत्रित किया गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, पहले चरण की शुरुआत 2028 में होगी। इसमें अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल (BAS-01) को लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है। 2035 तक इसे पूर्ण कर लिया जाएगा। सभी 5 मॉड्यूल्स के साथ स्टेशन पूरी तरह तैयार हो जाएगा। यह पृथ्वी की निचली कक्षा में लगभग 400-450 किमी की ऊंचाई पर स्थापित होगा। शुरुआत में यह 3-4 अंतरिक्ष यात्रियों को ठहराने और वहां वैज्ञानिक प्रयोग करने में सक्षम होगा।

गगनयान मिशन का अगला चरण...

यह परियोजना केवल एक स्टेशन बनाने तक सीमित नहीं है। यह भारत के गगनयान मिशन का अगला चरण है। इसके जरिए भारत माइक्रोग्रैविटी रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। इसके तहत दवाओं, कृषि और सामग्री विज्ञान में उन्नत शोध कर सकेगा। वर्तमान में दुनिया ISS (International Space Station) पर निर्भर है, लेकिन BAS भारत को रणनीतिक स्वायत्तता देगा। यह स्टेशन भविष्य में चंद्रमा पर मानव भेजने के मिशन के लिए एक 'ट्रांजिट हब' के रूप में काम करेगा।

ISRO ने भारतीय कंपनियों के लिए कड़े मानक तय किए हैं, क्योंकि यह मॉड्यूल इंसानों के रहने योग्य होगा। प्रत्येक मॉड्यूल 3.8 मीटर व्यास और 8 मीटर ऊंचा होगा। इसका निर्माण उच्च शक्ति वाले एल्युमिनियम मिश्र धातु (AA-2219) से किया जाएगा। निर्माण में 0.5 मिलीमीटर की भी गलती स्वीकार्य नहीं होगी। कंपनियों को विशेष वेल्डिंग और फैब्रिकेशन तकनीक विकसित करनी होगी। ISRO ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह भारतीय प्रयास होगा। इसमें किसी भी विदेशी सहायता या आउटसोर्सिंग की अनुमति नहीं होगी।

जो कंपनियां इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हैं उनके लिए कुछ शर्तें रखी गई हैं। कम से कम 5 साल का एरोस्पेस निर्माण का अनुभव हो। पिछले 3 वर्षों में औसत वार्षिक टर्नओवर कम से कम 50 करोड़ हो। आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 मार्च 2026 तय की गई है।

चीन 1 साल में कनाडा को खा जाएगा -ट्रम्प

- **हमारे बजाए उनसे बिजनेस कर रहा**
- **गोल्डन डोम प्रोजेक्ट का विरोध करने पर हुए नाराज**

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि चीन, कनाडा को एक साल के अंदर ही खा जाएगा। दरअसल, कनाडा के PM मार्क कार्नी ट्रम्प के 'गोल्डन डोम' मिसाइल प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प इससे नाराज हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि कनाडा हमारे बजाए चीन से दोस्ती बढ़ा रहा, जो उन्हें पहले ही साल में बर्बाद कर देगा। कनाडा पर आरोप लगाते हुए ट्रम्प ने कहा कि वह उत्तर अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा है।

कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 13 जनवरी से 17 जनवरी तक चीन की यात्रा की और वहां व्यापार समझौते किए। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प इससे नाराज बताए जा रहे हैं।

करीब एक साल पहले कार्नी खुद चीन को कनाडा के सामने 'सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा' बता चुके थे। लेकिन एक साल बाद हालात बदल चुके हैं। चीन दौरे पर उन्होंने कई अहम करार किए हैं। इसमें कनाडा, चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों (EV) पर लगाए गए टैरिफ को कम करेगा।

कनाडा ने 2024 में अमेरिका के साथ मिलकर चीनी गाड़ियों पर 100% टैरिफ लगाया था। अब नए समझौते के तहत इस टैरिफ को घटाकर 6.1% किया जा रहा है।

18वां रोजगार मेला- पीएम ने 61 हजार जॉब लेटर बांटे

नई दिल्ली. पीएम मोदी ने शनिवार को वर्चुअली 18वें रोजगार मेले में युवाओं को 61 हजार जॉब लेटर बांटे। ये नियुक्ति गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों में की गई है। रोजगार मेले का आयोजन देश के 45 जगहों पर किया जा रहा है।

पीएम ने वर्चुअली संबोधन में कहा कि युवाओं को नए अवसर मिलें, ये हमारा प्रयास है। देशभर के स्टार्टअप में महिलाएं आगे हैं। कई स्टार्टअप में तो वे हेड हैं। महिला स्वरोजगार की दर में 15% की बढ़ोतरी हुई है।

पिछला रोजगार मेला 24 अक्टूबर 2025 को आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। अब तक 11 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है।

रोजगार मेला मिशन मोड पर: सरकारी भर्तियों को भी कैसे मिशन मोड पर किया जाए इसलिए रोजगार मेले की शुरुआत की गई। रोजगार मेला एक इंस्टिट्यूशन बन गया है। भारत की युवा शक्ति के लिए नए अवसर बने ये हमारा प्रयास है। हम कई ट्रेड एग्रीमेंट कर रहे हैं। इससे अनेकों अवसर आने वाले हैं।

भारत पर दुनिया को भरोसा: भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का दायरा बढ़ रहा है। देश में दो लाख रजिस्टर्ड स्टार्टअप में 21 लाख युवा काम कर रहे हैं। भारत की इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है। आज भारत पर जिस तरह दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है इससे अनेकों संभावनाएं पैदा हो रही हैं।

जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग; 23 के खिलाफ FIR

बेंगलुरु. कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले से रैगिंग की गंभीर घटना सामने आई है। देवनहल्ली पुलिस ने बताया कि आकाश ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के 23 सीनियर छात्रों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। इन पर जूनियर छात्रों के साथ उत्पीड़न करने का आरोप है। इस मामले में तीन मुख्य आरोपी छात्रों को गिरफ्तार भी कर लिया है। शिकायत के अनुसार, जूनियर छात्रों को शराब और सिगरेट लाने के लिए मजबूर किया गया। उन्हें घंटों खड़े होकर अपनी किताबें ऊपर उठाकर सजा के रूप में खड़ा रखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, कॉलेज के एडमिन हेड मिदुन माधवन तक इस मामले की शिकायत पहुंची। जब वह इसकी जांच करने गए, तो गुस्साए सीनियर्स ने उन पर हमला कर दिया।

ईरान पर हमला करेगा अमेरिका?

- **तेजी से बढ़ रहा जंगी बेड़ा;**
- **ईरानी नेता बोले- खाड़ी के सभी अमेरिकी मिलिट्री बेस हमारे निशाने पर**

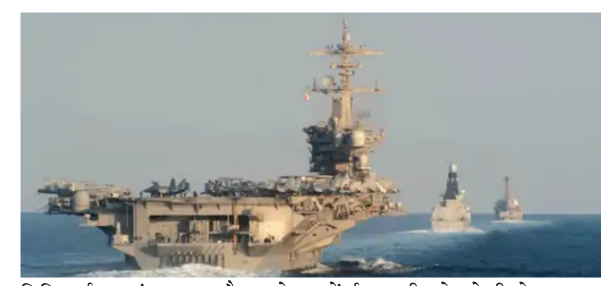

अमेरिका और ईरान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान के खिलाफ सैन्य विकल्प पर विचार कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने ऐसे सैन्य विकल्पों की मांग की है, जिनका असर 'निर्णायक' हो। रक्षा मंत्रालय पेंटागन और व्हाइट हाउस ने इन पर काम करना शुरू कर दिया है। इनमें ईरानी शासन को सत्ता से हटाने की योजना भी शामिल है।

दूसरी तरफ आज अमेरिकी जंगी बेडा USS अब्राहम लिंकन भी मिडिल ईस्ट पहुंच सकता है। इसके चलते आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका ईरान पर कोई अचानक सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

अमेरिकी गतिविधियों के जवाब में ईरानी सुप्रीम काउंसिल के जावेद अकबरी ने कहा है कि मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सभी सैन्य अड्डे ईरान के निशाने पर हैं। हमारी मिसाइलें आदेश के इंतजार में दुश्मन पर गरजने को तैयार हैं।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी जंगी जहाज USS अब्राहम लिंकन अरब सागर में ईरान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ईरान के कई शहर इसकी स्ट्राइक रेंज में हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह अरब सागर में अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENCOM) के जोन में आ चुका है। साथ ही अमेरिका का C 37-B एयरक्राफ्ट भी ईरान के उत्तर में तुर्कमेनिस्तान के अशगाबाद बेस पहुंच गया है। USS अब्राहम लिंकन पहले साउथ चाइना सी में तैनात था। 18 जनवरी को यह मलक्का स्ट्रेट पार कर हिंद महासागर में दाखिल हुआ।

थरूर बोले- कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का विरोध नहीं किया

- **केवल ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर असहमति थी, इसके लिए माफी नहीं मांगूंगा**

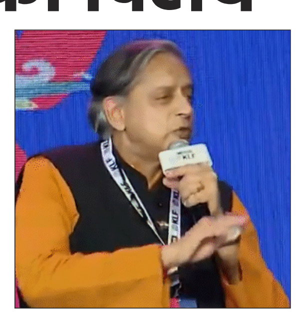

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने पार्लियामेंट में कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का कभी भी विरोध नहीं किया। एकमात्र मुद्दा ऑपरेशन सिंदूर था, जिस पर सिद्धांत के आधार पर मेरा स्टैंड अलग था।

थरूर ने कहा- इस मामले पर मैंने बहुत मजबूत स्टैंड लिया था। मैं इसके लिए कोई माफी नहीं मांगूंगा। पहलगाम की घटना के बाद, मैंने खुद इंडियन एक्सप्रेस में एक कॉलम लिखा था। मैंने इसमें कहा था कि ऐसी घटना को बिना सजा के नहीं छोड़ा जा सकता और इसका जवाब देना जरूरी है।

तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने यह बातें शनिवार को कोझिकोड में आयोजित केरल लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान कहीं। वह वहां दर्शकों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर कड़े रुख का कोई पछतावा नहीं है। भारत को विकास पर ध्यान देना चाहिए और पाकिस्तान के साथ लंबे संघर्ष में नहीं उलझना चाहिए।

किसी भी कार्रवाई को आतंकवादी शिविरों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए। मुझे हैरानी हुई कि भारत सरकार ने वही किया, जैसा मैंने सुझाया था।

SI भर्ती में जमकर वसूली रिश्वत

नई दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने 2021-22 के दौरान राज्य में पुलिस उपनिरीक्षक (SI) भर्ती में कथित अनियमितताओं से संबंधित धन शोधन जांच के तहत कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी अमृत पॉल और एक हेड कांस्टेबल की संपत्तियों को कुर्क कर लिया है। इसमें कहा गया है कि शुक्रवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पॉल और हेड कांस्टेबल श्रीधर एच की संयुक्त रूप से 1.53 करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त करने का आदेश जारी किया गया था। आईपीएस के 1995 बैच के अधिकारी पॉल को 2022 में कर्नाटक सीआईडी द्वारा एसआई भर्ती प्रक्रिया में कथित "अनियमितताओं" में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

गोल्डन टेंपल के सरोवर में मुस्लिम युवक के कुल्ला करने का मामला

निहंग सिखों ने दर्ज कराई शिकायत

अमृतसर. अमृतसर में गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में मुस्लिम युवक के कुल्ला करने का मामला गरमाया हुआ है। निहंग व सिख समुदाय के लोगों ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। गाजियाबाद पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। मुस्लिम युवक सुब्हान रंगरीज दिल्ली का रहने वाला है। निहंगों ने शिकायत में कहा कि युवक की हरकत सिखों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। सिख समुदाय पर अक्सर कानून हाथ में लेने के आरोप लगाए जाते हैं, इसलिए वे सबसे पहले कानून के दायरे में रहकर पुलिस के पास आए हैं। निहंगों ने चेतावनी दी कि वे चाहते हैं कि सुब्हान रंगरीज सार्वजनिक रूप से आकर सिख मर्यादा के अनुसार माफी मांगे वरना उनके पास युवक से जुड़ी पूरी जानकारी है।

दिल्ली के मुस्लिम युवक सुब्हान रंगरीज ने गोल्डन टेंपल में पवित्र सरोवर में कुल्ला करते हुए रील बनाई और मुस्लिम शेर लिखकर सोशल मीडिया पर डाला। वायरल रील में दिख रहा था कि वह गोल्डन टेंपल के सरोवर में पैर डालकर बैठा है और मुंह धो रहा है। वह 3 बार मुंह में पानी भरकर कुल्ला करता है और एक बार उस पानी को दोबारा सरोवर में ही थूक देता है। इसके बाद वह मुंह धोता है और फिर उंगली उठाते हुए गोल्डन टेंपल को भी दिखाता है। उसका एक और वीडियो सामने आया, जिसमें वह कह रहा था कि यहां सब पगड़ी वाले हैं। सिर्फ मैं टोपी पहनकर आया हूं लेकिन मुझे किसी ने कुछ नहीं कहा।

मांग चुका है माफी

वीडियो वायरल होने पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। विवाद बढ़ने पर सुब्हान रंगरीज ने वीडियो जारी कर माफी मांगी। उसने कहा कि मैं सारे पंजाबी भाइयों से सॉरी बोलता हूं। मैं वहां आकर भी सॉरी बोलूंगा। मैं पूरी सिख कम्युनिटी को सॉरी बोलता हूं।

भारत ने छठी बार 200+ का टारगेट चेज किया

- **ईशान को कप्तान ने गले से लगाया**
- **सूर्या की 23 इनिंग बाद फिफ्टी**

रायपुर में भारत ने न्यूजीलैंड को 28 गेंद रहते हरा दिया। 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए यह भारत की अब तक की सबसे तेज जीत रही। टीम इंडिया ने 209 रन का टारगेट सिर्फ 15.2 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया और छठी बार 200+ का टारगेट चेज किया। इसके साथ ही सीरीज में भारत ने लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली।

मैच में कई रिकॉर्ड बने, लेकिन सबसे यादगार प्रदर्शन ईशान किशन का रहा। उन्होंने महज 21 गेंदों में अर्धशतक जड़कर मुकाबले का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। एक खास पल तब देखने को मिला, जब आउट होने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ईशान को गले लगाकर उनकी पारी की सराहना की।

सूर्या ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 23 पारियों बाद टी-20 में फिफ्टी पूरी की और 37 गेंदों पर नाबाद 82 रन बनाए। दोनों के बीच 122 रन की साझेदारी ने न्यूजीलैंड को मुकाबले से बाहर कर दिया।

टी-20 इंटरनेशनल में भारत ने 200 या उससे ज्यादा रन का लक्ष्य छठी बार हासिल कर लिया। इस उपलब्धि के साथ टीम इंडिया इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। भारत ने 209 रन का लक्ष्य हासिल कर अपने दूसरे सबसे बड़े रन चेज की बराबरी कर ली।

इससे पहले टीम इंडिया का सबसे बड़ा रन चेज 2009 में मोहाली में देखने को मिला था, जब भारत ने 211 रन का टारगेट सफलतापूर्वक पूरा किया था। यह जीत इसलिए भी खास रही, क्योंकि घर पर 100वां टी-20 मैच खेल रही भारत ने मैच जीता।

5 मुस्लिम लड़कियों ने हिंदू छात्रा को बुर्का पहनाया

- **भाई का दावा- बहन से कहा गया इस्लाम कबूल करने से किस्मत बदलेगी**

मुरादाबाद. यूपी के मुरादाबाद में 5 मुस्लिम लड़कियों ने एक हिंदू छात्रा को जबरन बुर्का पहनाया। आरोप है कि कोचिंग से निकलने के बाद उसे सड़क पर घेर लिया। बैग से बुर्का निकाला और पहना दिया। पीड़ित के भाई ने दावा किया कि उसकी बहन से सहेलियों ने कहा कि इस्लाम कबूल करो, किस्मत बदल जाएगी। इसमें बहुत खूबसूरत लगोगी।

पीड़ित और आरोपी लड़कियां एक ही स्कूल में 12वीं में पढ़ती हैं। सभी की उम्र 15-17 साल के बीच है। साथ में कोचिंग भी जाती हैं। घटना 20 दिसंबर की है, लेकिन 22 जनवरी को लड़की के भाई ने थाने में FIR कराई।

भाई बोला- 'मेरी बहन का ब्रेनवॉश किया'

हिंदू छात्रा के भाई ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मेरी नाबालिग बहन बिलारी कस्बे के मोहल्ला शाहकुंज कॉलोनी में एक टीचर के घर ट्यूशन पढ़ने जाती थी। मेरे घर से 1.5 किमी की दूरी पर कोचिंग है। बाकी पांचों मुस्लिम छात्राएं भी उसके साथ जाती थीं।

11वीं क्लास में इन लड़कियों से मेरी बहन की दोस्ती थी। सभी मोहल्ले और आसपास की थीं, तो स्कूल और ट्यूशन साथ में जाती थीं। छात्राओं ने मेरी बहन का ब्रेनवॉश करना शुरू कर दिया। पांचों उसे बार-बार इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए उकसाती रहती थीं। उसके मन में हिंदू धर्म के प्रति घृणा पैदा करने की कोशिश की।

मेरी बहन उनके झांसे में आ गई। मेरी बहन घरवालों की बातें भी नहीं सुनती थी। मना करने के बाद भी उन्हीं मुस्लिम लड़कियों के साथ ही स्कूल और कोचिंग जाती थी। 20 दिसंबर को मुस्लिम लड़कियां ट्यूशन से निकलीं। इसके बाद रास्ते में मेरी बहन को बुर्का पहनाया।

पुलिस ने पांचों लड़कियों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की, तो शुक्रवार को CCTV सामने आया। मामला बिलारी कस्बे के एक मोहल्ले का है। पीड़ित लड़की चौधरी समाज से आती है।

संतों-शंकराचार्यों को गौरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी, नारों से कुछ नहीं होगा : बाबा रामदेव

पणजी. योग गुरु बाबा रामदेव ने शनिवार को कहा कि गोरक्षा के लिए केवल नारे लगाने से कुछ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि संतों और शंकराचार्यों को गौ-संरक्षण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। रामदेव ने पणजी में एक योग सत्र के बाद संवाददाताओं से कहा कि गौ-संरक्षण के लिए हर प्रयास ईमानदारी और निष्ठा के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल सम्मेलन आयोजित करने, नारे लगाने और गायों के नाम पर रक्तपात करने से गोरक्षा नहीं हो सकती।

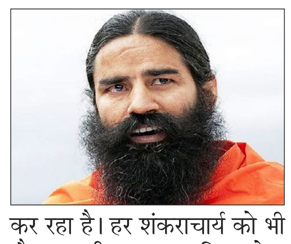

योग गुरु ने कहा, 'आज पतंजलि एक लाख गायों की रक्षा कर रहा है। हर शंकराचार्य को भी गौ माता की रक्षा का दायित्व लेना चाहिए। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोसने मात्र से गौ संरक्षण हासिल हो जाएगा?' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सपना है कि भारत स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र और सनातन ज्ञान का केंद्र बने। रामदेव ने कहा कि स्वास्थ्य, कल्याण और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए लोगों को गोवा लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गोवा पर्यटन को लेकर क्या बोले बाबा रामदेव

बाबा रामदेव ने कहा, 'आत्म-उपचार से लेकर आत्म-साक्षात्कार तक, हर चीज के लिए लोग यहां आ सकते हैं। गोवा एक खूबसूरत और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध स्थान है। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए यहां आना चाहिए।' रामदेव ने घोषणा की कि राज्य सरकार के समर्थन से गोवा में पतंजलि का सबसे बड़ा वेलनेस सेंटर बनाया जाएगा।

गणतंत्र दिवस से पहले रेलवे ट्रैक पर विस्फोट

पंजाब में फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद में रेलवे लाइन पर जोरदार धमाका होने से एक मालगाड़ी का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक को चोटें आई हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। रेलवे अधिकारी और पुलिस जांच में लगी है। धमाके में आरडीएक्स का इस्तेमाल होने का शक जताया जा रहा है। हालांकि अभी तक पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। शुक्रवार रात करीब 11 बजे एक मालगाड़ी नई बिछाई गई रेल लाइन से गुजर रही थी। इंजन जैसे ही खानपुर फाटक के पास पहुंचा तो अचानक जोरदार धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि रेलवे लाइन का लगभग तीन से चार फीट हिस्सा उड़ गया।

भैंस का मांस बता कर गोमांस बेचा?

- **आरोपी की 'चालाकी' पर भड़का HC**
- **अग्रिम जमानत खारिज**

चंडीगढ़. पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने कथित तौर पर अवैध गोमांस (बीफ) रखने के आरोप में एक 62 वर्षीय व्यक्ति की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति आराधना साहनी की पीठ ने आरोपी के उस दावे को सिरे से नकार दिया, जिसमें उसने कहा था कि मांस सप्लाई करने वालों ने उसे यह कहकर गुमराह किया था कि वह भैंस का मांस है। अदालत ने इसे कानूनी कार्रवाई से बचने की एक चतुर चाल करार दिया।

पूरा मामला समझिए

यह पूरा मामला एक गुप्त सूचना और पुलिस कार्रवाई से शुरू हुआ। एक गौरक्षक समूह के सदस्य ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी अपने स्कूटर का उपयोग करके बीफ की सप्लाई कर रहा है। इस सूचना के आधार पर, शिकायतकर्ता और स्थानीय निवासियों ने आरोपी को रोका। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन की तलाशी ली, जिसमें से 50 किलोग्राम मांस बरामद हुआ। पकड़े जाने पर आरोपी ने दावा किया कि यह 'भैंस के बछड़े' का मांस है, जिसे उसने पंजाब और उत्तर प्रदेश के विक्रेताओं से खरीदा है। अपने दावे को साबित करने के लिए उसने भैंस के मांस के दो बिल भी दिखाए।

फॉरेंसिक रिपोर्ट ने बदली दिशा

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने सच्चाई का पता लगाने के लिए मांस के नमूनों को राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद भेजा। विशेषज्ञों की राय में यह पुष्टि हुई कि बरामद मांस बैल या सांड का था। इस रिपोर्ट के आने के बाद पुलिस ने मामले को और गंभीर मानते हुए धाराओं में बढ़ोतरी कर दी।

अलमारी में छिपे थे बच्चे, अमेरिका में भारतीय शख्स ने खेला खूनी खेल; पत्नी समेत 4 को मार डाला

अमेरिका के जॉर्जिया में पारिवारिक विवाद चार लोगों की हत्या की वजह बन गया। इस पूरी घटना के पीछे बेहद दर्दनाक कहानी निकलकर सामने आई है। 51 साल के आरोपी ने घरेलू झगड़े के बाद अपनी पत्नी और तीन अन्य रिश्तेदारों को गोली मार दी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। ग्विनेट काउंटी पुलिस ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि विजय कुमार नाम के शख्स ने अपनी पत्नी मीमू डोगरा (43 साल), रिश्तेदार गौरव कुमार, निधी चैंदेर और हरीश चांदेर की गोली मारकर हत्या कर दी।

संक्षेप...

नकली टोनर ज़ब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई. प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम पर नकली वस्तुओं की बिक्री की जा रही है. पुलिस ने फोर्ट इलाके में एक जगह पर छापा मार कर 'कैनन' ब्रांड नाम वाले नकली पैक्ड टोनर और दूसरी वस्तुएं ज़ब्त कीं.हैं. इस ममाले में भरत मंडन चौधरी नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है.

एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन में ईआईपीआर इंडिया की तरफ से नकली प्रोडक्ट बेचने की शिकायत की गयी थी. जिसके आधार पर पुलिस उप निरीक्षक सूरज देवरे ने ईआईपीआर के कर्मचारियों की मदद से छापा मारा. पुलिस ने भरत मंडन चौधरी के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट, 1957 की धारा 51 और 63 के तहत FIR (नंबर 35) दर्ज किया गया है. पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है.

भिवंडी मनपा में 5 की जगह 9 होंगे मनोनीत नगरसेवक

मनोनीत होने की चाह रखने वाले रसूखदार लोगों में भागदौड़ शुरू

भिवंडी. महाराष्ट्र सरकार विधि विभाग द्वारा 90 नगरसेवकों की भिवंडी मनपा में 5 की जगह अब 10 मनोनीत नगरसेवक नामित किए जाने की मंजूरी प्रदान की गई है.नगरसेवक मनोनीत होने की चाह रखने वाले धनाढ्य, पार्टी वफादार और रसूखदार लोग राजनीतिक दलों से संपर्क साधकर आर्थिक लेनदेन के दम पर भिवंडी मनपा में पहुंचने की जुगाड में जुटे हैं.

गौरतलब हो कि, महाराष्ट्र सरकार विधि विभाग द्वारा 2023 में मनोनीत सदस्यों से संबंधित जारी सर्कुलर के अनुसार,चुनाव में जीते हुए नगरसेवकों की संख्या के अनुसार 10% तक मनोनीत सदस्यों को मनपा में नामित किया जा सकता है जो किसी भी हालत में 10% से कदापि अधिक नहीं होना चाहिए.महाराष्ट्र विधि विभाग द्वारा मनोनीत सदस्यों के मनोनयन हेतु सुधारित आदेश के तहत 90 नगरसेवकों की भिवंडी मनपा में अब 9 नगरसेवक राजनीतिक दलों द्वारा संख्या बल के आधार पर नामित किए जा सकते हैं.

विदित हो कि, 90 नगरसेवकों की भिवंडी मनपा में पहले 5 मनोनीत नगरसेवक होते थे.मनपा चुनाव में कांग्रेस 30,भाजपा 22, शिंदे शिवसेना 12,एनसीपी शरद पवार 12, सपा 6,कोणार्क विकास आघाड़ी 4,भिवंडी विकास मंच 3 और अपक्ष 1चुनाव जीतकर आए हैं.

..जनसमस्याओं की समझ वाले को करें मनोनीत..

भिवंडी मनपा महापौर पद सर्वसाधारण घोषित हुआ है.महापौर बनाए जाने की खातिर कांग्रेस और भाजपा अन्य सहयोगियों के सहयोग से अपनी चुनावी बिसात बिछाकर मनपा सत्ता पर काबिज होने की तैयारी में हैं.

मनोनीत होने वाले गणमान्य नगरसेवक भी पैसे की झोली लिए राजनैतिक दलों के आकाओं के पीछे घूमने लगे हैं. आगामी दिनों में देखना बेहद दिलचस्प होगा कि,भिवंडी मनपा सदन में कौन पार्टी से किस रसूखदार,दमदार व्यक्ति को मनोनीत नगरसेवक होने का सौभाग्य हासिल होगा. शहरवासियों को आशा है कि,राजनीतिक दल शिक्षित,स्वच्छ छवि और जनसमस्याओं की बेहतर समझ रखने वालों को ही मनोनीत सदस्य बनाएंगे.

स्वास्थ्य मंत्री मेघना बोर्डिकर की पहल पर महिलाओं की स्वास्थ्य में क्रांति

ठाणे जिले में 'मेनोपॉज़ क्लिनिक' शुरू हुआ महिलाओं से तुरंत रिस्पॉन्स मिला

ठाणे. राज्य में महिलाओं की स्वास्थ्य में एक नया चैप्टर शुरू हुआ है, और इस नई पहल को ठाणे जिले में असरदार तरीके से लागू किया गया है। राज्य में पहली बार और देश में पहली बार, ठाणे जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में 'मेनोपॉज़ क्लिनिक' शुरू किया गया है, और इस पहल को महिलाओं से बड़े पैमाने पर तुरंत रिस्पॉन्स मिल रहा है।महिलाएं संतुष्ट और कॉन्फिडेंट महसूस कर रही हैं क्योंकि उन्हें मेनोपॉज़ के दौरान होने वाली शारीरिक, मानसिक और इमोशनल समस्याओं के लिए एक ही जगह पर सही इलाज और एक्सपर्ट सलाह मिल रही है।स्वास्थ्य मंत्री मेघना बोर्डिकर के गाइडेंस में शुरू की गई इस दूर की सोच वाली पहल से ठाणे जिले की महिलाओं को बड़ी राहत मिली है। अब तक, मेनोपॉज़, जो महिलाओं की ज़िंदगी का एक बहुत ही सेंसिटिव स्टेज होता है, पर सोशल और मेडिकल लेवल पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। इस दौरान महिलाओं को कई तरह की दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं, जैसे हार्मोनल बदलाव, मेंटल स्ट्रेस, नींद की दिक्कतें, हड्डियों की बीमारियां, दिल की बीमारी का खतरा, डिप्रेशन और चिड़चिड़ापन।

इसी माहौल में, ठाणे जिले में 'मेनोपॉज़ क्लिनिक' शुरू करने का फैसला लिया गया है, जो महिलाओं की स्वास्थ्य के लिए बहुत ज़रूरी साबित हो रहा है।

एक ही जगह पर सारा इलाज और गाइडेंस

ठाणे जिले के सरकारी अस्पतालों में शुरू किए गए इस क्लिनिक के ज़रिए, महिलाओं को एक ही छत के नीचे गाइनेकोलॉजिस्ट से मेडिकल सलाह, मेंटल स्वास्थ्य काउंसलिंग, हड्डी, दिल और हार्मोन टेस्ट, ज़रूरी दवा, डाइट, एक्सरसाइज और लाइफस्टाइल गाइडेंस दी जाती है,सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने बताया।

मेनोपॉज़ कोई बीमारी नहीं बल्कि महिलाओं की ज़िंदगी का एक नेचुरल स्टेज है। हालांकि, इस दौरान महिलाओं को फिजिकल और मेंटल सपोर्ट की बहुत ज़रूरत होती है।

कॉमेडियन नवीन प्रभाकर ठाणेकरों को सड़क सुरक्षा के बारे में सिखाएंगे

ठाणे पुलिस के सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान के तहत 'कार्निवल' में हंसी की फुहारें

ठाणे. पुलिस के सड़क सुरक्षा अभियान के तहत रिपब्लिक डे पर हो रहे 'ठाणे कार्निवल' में स्टैंड-अप कॉमेडियन नवीन प्रभाकर ठाणेकरों को सेफ ड्राइविंग के साथ-साथ एक्सीडेंट-फ्री ड्राइविंग के बारे में सिखाएंगे। 'लूजर कौन?' सवाल पूछने के लिए पब्लिक के बीच फेमस नवीन प्रभाकर, ड्राइवरों से मुस्कुराते हुए ट्रैफिक रूल्स फॉलो करने की अपील करेंगे। यह जानकारी ठाणे ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने दी।ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण के गाइडेंस में ठाणे ट्रैफिक विभाग की तरफ से सड़क सुरक्षा अभियान 2026 चला रहे हैं। इस अभियान के तहत, आने वाले रिपब्लिक डे (26 जनवरी) से ठाणे के साकेत मैदान में तीन दिनों तक चलने वाले कार्निवल में ट्रैफिक नियमों के बारे में अलग-अलग अवेयरनेस प्रोग्राम रखे गए हैं। राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे के रिपब्लिक डे पर झंडा फहराने के प्रोग्राम के बाद, इस साल 'कार्निवल' में पहली बार एक स्टैंड-अप कॉमेडियन शहरवासियों को एड्रेस करेंगे। अपने 'पैचान कोण' सवाल के लिए मशहूर कॉमेडियन नवीन प्रभाकर, रिपब्लिक डे पर मौजूद स्टूडेंट्स और शहरवासियों को हंसी-मजाक करके ट्रैफिक नियमों के बारे में बताएंगे। नवीन प्रभाकर सड़क सुरक्षा अभियान के तहत लगाए गए स्कूल स्टूडेंट पेंटिंग कॉम्पिटिशन से चुनी हुई पेंटिंग्स की एग्जीबिशन के साथ-साथ ई-व्हीकल, सुपर बाइक और विंटेज कारों की एक ग्रैंड एग्जीबिशन भी देखेंगे।

भिवंडी : गटनेता और मेयर पद पर मंथन

- **बीजेपी की गतिविधियां तेज**

भिवंडी. भिवंडी मनपा चुनाव में 22 सीटें हासिल कर दूसरे स्थान पर रही बीजेपी ने अब आगे की राजनीतिक रणनीति को लेकर अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं. इसी पृष्ठभूमि में बीजेपी की ओर से गटनेता पद के चयन और बहुमत के आंकड़ों की योजना बनाने के लिए भिवंडी स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय धामणकर नाका में मनपा चुनाव जीते हुए सभी पार्षदों की एक महत्वपूर्ण बैठक भाजपा विधायक महेश चौगुले के मार्गदर्शन एवं जिलाध्यक्ष रवि सावंत की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक में गटनेता पद के इच्छुक उम्मीदवारों पर विस्तार से चर्चा की गई.चर्चा में यशवंत टावरे, प्रकाश

टावरे, संतोष शेट्टी, नारायण चौधरी, सुमित पाटील और वैभव भोईर के नाम गटनेता पद के लिए सामने आए हैं. सभी नामों को अंतिम निर्णय के लिए प्रदेश कार्यालय भेजा जाएगा, जिसके बाद प्रदेश स्तर पर हुए निर्णय से मनपा गटनेता की आधिकारिक घोषणा की जाएगी.

सुमित पाटिल,नारायण चौधरी हो सकते है महापौर

मनपा वरिष्ठ पार्षद निलेश चौधरी ने मनपा पर भाजपा का ही महापौर बिठाए जाने का दावा करते हुए कहा कि,मेयर पद को लेकर बीजेपी ने अपनी तैयारियां जोरों से शुरू कर दी हैं. मेयर पद के लिए पूर्व मंत्री कपिल पाटिल के भतीजे वरिष्ठ मनपा नगरसेवक सुमित पाटील और नारायण चौधरी के नाम की गंभीरता से चर्चा हुई है.बीजेपी के पास 22, शिवसेना शिंदे गुट के 12 और एक निर्दलीय पार्षद सहित कुल 35 पार्षदों का समर्थन हासिल है.भिवंडी के समग्र विकास की खातिर मनपा में भाजपा का ही महापौर होना बेहद जरूरी है.भिवंडी के सर्वांगीण विकास और मतदाताओं से किए गए वादा को पूर्ण करने के लिए सभी नगरसेवकों को एकजुट होकर भाजपा का महापौर बनाना चाहिए. सूत्रों की मानें तो, अन्य दलों के कुछ पार्षदो के भी बीजेपी के संपर्क में होने की जानकारी सामने आ रही है, जिसके चलते पार्टी नेताओं ने इस बार भिवंडी में बीजेपी का ही मेयर चुने जाने का भरोसा जताया है.

राज्य मराठी एकांकिका प्रतियोगिता में SST महाविद्यालय की 'पर्पल' होगी प्रस्तुत

उल्हासनगर. महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक कार्य विभाग के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्य संचालनालय द्वारा आयोजित महाराष्ट्र राज्य मराठी एकांकिका प्रतियोगिता में उल्हासनगर स्थित एस.एस.टी. महाविद्यालय की संजीवनी सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत ड्रामानॉमिक्स विभाग की ओर से नवोन्मेषी एकांकिका 'पर्पल' प्रस्तुत की जाएगी।

महाराष्ट्र की समृद्ध नाट्य परंपरा को संजोते हुए, राज्यभर में चार विभागों के माध्यम से आयोजित इस प्रतियोगिता में प्राथमिक चरण से चयन होकर अंतिम चरण में रोमांचक प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है। सभी मानदंडों को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए 'पर्पल' इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रवेश कर चुकी है।

इस एकांकिका का लेखन एवं निर्देशन प्रो. सुदर्शन पाटील और सदान जावरे द्वारा किया गया है, जबकि मुख्य भूमिकाएँ सुनील तिघुणे और भक्ती जाधव निभा रहे हैं। दोनों कलाकारों एवं निर्देशकों ने विभिन्न मंचों पर पुरस्कार प्राप्त कर अपनी प्रभावशाली पहचान बनाई है।

महाविद्यालय के प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रोत्साहन से ड्रामानॉमिक्स की पूरी टीम प्राथमिक चरण में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति देने के लिए पूरी तरह तैयार है। चुनावी मौसम के बाद राज्यभर के नाट्य प्रेमियों को इस प्रतियोगिता के परिणामों की उत्सुकता है, और 'पर्पल' से सशक्त व प्रभावशाली प्रदर्शन की अपेक्षा व्यक्त की जा रही है।

केडीएमसी क्षेत्र में 27 को 8 घंटे बंद रहेगी जलापूर्ति

- **कल्याण-डोंबिवली के कई हिस्सों में बंद रहेगा पानी**
- **नागरिकों से पानी संग्रह की अपील**

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के अंतर्गत आने वाले बारावे, मोहिली, नेतिवली और टिटवाळा जलशुद्धीकरण केंद्रों पर विद्युत एवं यांत्रिक उपकरणों की आवश्यक देखभाल और मरम्मत कार्य किए जाने हैं। इसके चलते मंगलवार, 27 जनवरी को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक (लगभग 8 घंटे) जलापूर्ति बंद रखी जाएगी।

इस अवधि में कल्याण पूर्व एवं पश्चिम, कल्याण ग्रामीण क्षेत्र (मांडा-टिटवाळा, वडवली, आंबिवली, शहाड, अटाळी तथा कल्याण ग्रामीण क्षेत्र के अन्य गांव) और डोंबिवली पूर्व एवं पश्चिम इलाकों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी।

महानगरपालिका प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए पहले से पर्याप्त मात्रा में पानी का भंडारण कर लें और मरम्मत कार्य के दौरान प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि मरम्मत कार्य पूरा होते ही जलापूर्ति पूर्ववत शुरू कर दी जाएगी।

मुंबई में मसाज बुकिंग कैंसिल करने पर महिला से मारपीट

मुंबई. मुंबई के वडाला में रहने वाली एक महिला ने महिला मसाज थेरेपिस्ट पर मारपीट का आरोप लगाया है। महिला ने एप-बेस्ड कंपनी से मसाज थेरेपिस्ट बुक किया था। असहज महसूस होने पर मसाज सेशन बीच में कैंसिल कर दिया, जिसके बाद थेरेपिस्ट ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की।

पुलिस ने थेरेपिस्ट के खिलाफ नॉन-कॉग्निजेबल केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता शहनाज सैयद ने फ्रोजन शोल्डर की समस्या के इलाज के लिए मोबाइल ऐप के जरिए मसाज सर्विस बुक की थी। महिला थेरेपिस्ट अश्विनी वर्तापी उनके घर पहुंची। शिकायत में कहा गया है कि थेरेपिस्ट के व्यवहार और उसके साथ लाए गए मसाज बेड के साइज को लेकर महिला को असहजता महसूस हुई। इसके बाद उन्होंने सेशन कैंसिल कर दिया और रिफंड की मांग करने लगी।

विधायक के भतीजे की न्यायिक हिरासत में मौत

- **आदिवासियों के चावल खरीद घोटाले में थे आरोपी**
- **तबियत बिगड़ने पर अस्पताल में किया गया था भर्ती**

कल्याण. ठाणे जिले की शहापुर विधानसभा के विधायक दौलत दरोडा के भतीजे हरीश उर्फ भाऊ दरोडा केई शुक्रवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई। हरीश दरोडा पिछले दो महीने से कल्याण के आधारवाड़ी जेल में बंद थे। हरीश दरोडा आदिवासियों के करोड़ों के चावल खरीद घोटाले के मामले में न्यायिक हिरासत में थे। खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन के क्राइम पीआई मारुति अंधाले ने कि इस मामले में खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मौत का केस दर्ज किया गया है।

बतादें कि हरीश दरोडा के खिलाफ शहापुर तहसील के कीन्हवली पुलिस स्टेशन में पांच हजार क्विंटल चावल घोटाले का केस दर्ज था। कीन्हवली पुलिस ने 9 दिसंबर 2025 को हरीश को गिरफ्तार किया था। तबसे हरीश दरोडा कल्याण के आधारवाड़ी जेल में बंद थे। शाहपुर तहसील का आदिवासी विकास महामंडल आदिवासियों के चावल खरीद मामले में भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था। पिछले दो सालों में करीब 16 करोड़ रुपये का चावल खरीद घोटाला सामने आया था। जिसमें कीन्हवली पुलिस ने हरीश दरोडा के खिलाफ धोखाधड़ी और घोटाले का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था। बुधवार को ब्रेन में तकलीफ होने के कारण उन्हें ठाणे के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई। बाद में पोस्टमार्टम के लिए मृतक आरोपी के शव को मुंबई के जेजे अस्पताल में भेजा गया। आगे की जांच कल्याण की खड़कपाड़ा पुलिस कर रही है।

फायरिंग केस में एक्टर कमाल खान गिरफ्तार

- **मुंबई की रिहायशी बिल्डिंग पर चली थीं गोलियां**
- **BNS और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज**

एक्टर कमाल राशिद खान उर्फ KRK को मुंबई पुलिस ने शनिवार को अंधेरी पश्चिम के ओशिवारा इलाके में एक रिहायशी बिल्डिंग में फायरिंग की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक्टर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

PTI की रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात उन्हें पूछताछ के लिए ओशिवारा पुलिस स्टेशन लाया गया था।

पुलिस के अनुसार, अपने बयान में KRK ने लाइसेंसी बंदूक से दो राउंड फायर करने की बात कबूल की है। यह घटना 18 जनवरी को ओशिवारा स्थित नालंदा सोसाइटी में हुई थी।

जांच के दौरान सोसाइटी परिसर से दो गोलियां बरामद हुईं, जिनमें एक दूसरी मंजिल से और दूसरी चौथी मंजिल से मिली। पुलिस ने बताया कि एक फ्लैट एक लेखक-निर्देशक का है, जबकि दूसरा एक मॉडल का है।

इंडिया टुडे के अनुसार, एक फ्लैट लेखक-निर्देशक नीरज कुमार मिश्रा का है और दूसरा एक मॉडल प्रतीक बैद का।

शुरुआत में सीसीटीवी फुटेज से कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन फॉरेंसिक जांच में संकेत मिला कि गोलियां पास के KRK के बंगले से चलाई गई थीं।पुलिस के मुताबिक, फायरिंग के पीछे की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है।

कौन हैं (KRK)?

KRK खुद को फिल्म क्रिटिक बताते हैं और सोशल मीडिया पर अक्सर फिल्मों की आलोचना करते नजर आते हैं। वे कई बार वो बॉलीवुड स्टार्स पर तीखी टिप्पणियों के कारण चर्चा में रहे हैं। वे सलमान खान, शाहरुख खान और अजय देवगन जैसे बड़े सितारों पर तीखी टिप्पणियां कर चुके हैं। सलमान खान ने तो उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा भी दर्ज कराया था।

वन विभाग एरिया में कब्ज़े की साज़िश नाकाम

- **ठाणे वन विभाग ने कड़ी कार्रवाई की**
- **सामान सप्लाई कर रहा टेंपो ज़ब्त ड्राइवर गिरफ्तार**

ठाणे. वन विभाग ने कलवा सर्कल के अंदर रिज़र्व वन विभाग एरिया में चल रहे गैर-कानूनी कब्ज़े के कामों को ज़ोरदार झटका दिया है। कब्ज़े के लिए कंस्ट्रक्शन का सामान सप्लाई करने वाले गैंग के ख़िलाफ़ वन विभाग की ज़बरदस्त कार्रवाई से लैंड माफ़िया हिल गए हैं।मिली गोपनीय जानकारी के मुताबिक, पता चला था कि मौजे कलवा (घोलाई नगर) में रिज़र्व वन विभाग के ग्रुप नंबर 97/A में ईंटों की गैर-कानूनी सप्लाई चल रही थी। इसके मुताबिक,वन रेंज ऑफ़िसर नरेंद्र मुठे की गाइडेंस में तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई गई।कलवा वन विभाग सर्कल ऑफ़िसर संदीप सीताराम मोरे (फ़ॉरेस्ट वार्डन) और उनकी टीम ने जाल बिछाकर कंस्ट्रक्शन का सामान ले जा रहे टेंपो को रंगे हाथों पकड़ लिया। यह साफ़ था कि इस टेंपो से रिज़र्व वन विभाग एरिया में कब्ज़े के लिए ईंटों की सप्लाई की जा रही थी।इस मामले में वन विभाग केस दर्ज किया गया है और टेम्पो ड्राइवर कमलेश विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है और कोर्ट ने उसे दो दिन के लिए वन विभाग पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। सर्कल ऑफिसर प्रवीण आव्हाड,वन गार्ड तुषार कालोखे, कृष्णा पोल, जितेंद्र देशमुख और सुनील गावित ने दिन-रात पहरा देकर इस अभियान में अहम भूमिका निभाई।

शिवपुराण कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन

डोंबिवली. डोंबिवली पूर्व के गोग्रासवाड़ी स्थित प्रकाश विद्यालय प्रांगण में गोपाल मानस मंडल, डोंबिवली की ओर से शिवपुराण कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक अनुष्ठान 25 जनवरी से 31 जनवरी तक प्रतिदिन सायंकाल 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न होगा।

इस पावन अवसर पर प्रयागराज से पधारे अनंत श्री विभूषित प्रयागराज पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद तीर्थ जी महाराज (शंकराचार्य मठ) अपने मुखारविंद से भगवान भोलेनाथ शिवशंकर की दिव्य लीलाओं और शिव महिमा का रसपूर्ण वर्णन करेंगे।

शिवपुराण कथा के प्रमुख यजमान गोपाल दुबे एवं ओमप्रकाश दुबे रहेंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए गोपाल मानस मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरे समर्पण और सेवा भाव के साथ व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

कार्यक्रम की तैयारियों और संचालन में हरिकेश सिंह, चंद्रबली मिश्र, राजेश यादव, शेषबहादुर सिंह, अध्यक्ष श्यामधर मिश्रा, अनिल दुबे, चंद्रप्रकाश जायसवाल, आलोक सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

संस्था की ओर से क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिवपुराण कथा का श्रवण करें और भगवान भोलेनाथ की कृपा प्राप्त कर अपने जीवन को धर्ममय बनाएं।

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
उल्हास वि NEWS LIVE
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगढ़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
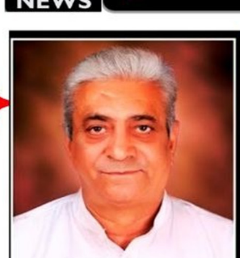
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
सब पे नजर, सबकी खबर Since 1985
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha L.L.B., BMM, MA (PS)

Staff Required
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
& For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT : MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099